पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक भाषा एवं साक्षरता : एक झलक **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. प्रत्येक शब्द तथा वाक्य के शाब्दिक अर्थ को समझना 'स्थानिक समझ' कहलाता है। (सत्य/असत्य)
2. लिखित भाषा विशेष और अलग उद्देश्यों के लिए तैयारी की गयी संप्रेषण प्रणाली है। (सत्य/असत्य)
3. मौखिक भाषा विकास सुनने और बोलने की क्षमता तक सीमित है। (सत्य/असत्य)
4. पढ़ने का एक मात्र उद्देश्य है अर्थ निर्माण। (सत्य/असत्य)
5. पठन और लेखन की प्रक्रियाएँ साथ-साथ चलनी चाहिए। (सत्य/असत्य)
6. CALP का पूरा नाम लिखिए।
7. निजी वाणी से क्या तात्पर्य है ?
8. पठन के **दो** आयाम कौन-से हैं ?

खण्ड—ब

9. प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए।
10. साक्षरता से क्या तात्पर्य है ?
11. पढ़ने को सिम्फनी (वाद्य-वृंद रचना) आर्केस्ट्रा जैसा क्यों कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए।

12. स्वतंत्र पाठक कौन होता है ?
13. डिकोडिंग किसे कहते हैं ?
14. दृश्य शब्द से क्या आशय है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

15. बोलचाल की भाषा और अकादमिक भाषा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
16. कुशल पठन के लिए शब्द पहचान और भाषायी समझ का संतुलन क्यों आवश्यक है ? चर्चा कीजिए।
17. अशोक की कहानी में, अशोक को विद्यालय क्यों छोड़ना पड़ा ?
18. भाषा शिक्षण को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों की विवेचना कीजिए।

खण्ड—द

19. लिखित और मौखिक भाषा में क्या अन्तर है ?
20. प्रारंभिक कक्षाओं में मौखिक भाषा विकास के महत्व को बताइए।
21. लिखना क्या है ? लेखन के लिए किस प्रकार के कौशलों की आवश्यकता है ?
22. भाषा क्या है ? उसके कार्यों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—इ

23. बच्चे के मौखिक भाषा के सीखने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
24. पढ़ना किसे कहते हैं ? प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–462

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा शिक्षण : एक समीक्षा **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. एक व्यक्ति या समूह द्वारा दो या अधिक भाषाओं का प्रयोग करना बहुभाषित कहलाती है। (सत्य/असत्य)
2. पढ़ने का मुख्य उद्देश्य ही लिखे गए का अर्थ निकालना है। (सत्य/असत्य)
3. एक कठिन पाठ को कई बार सुनने से उसे पढ़ने में बच्चों को कठिनाई होती है। (सत्य/असत्य)
4. भाषा की कक्षा में अर्थ निर्माण पर ही मुख्य जोर देना चाहिए। (सत्य/असत्य)
5. चिन्हों की ध्वनियों को जोड़कर शब्द पहचानना डिकोडिंग कहलाता है। (सत्य/असत्य)
6. भारतीय बच्चों को डिकोडिंग कौशल विकसित करने के पर्याप्त मौके मिलते हैं। (सत्य/असत्य)
7. अर्थ समझने के लिए डिकोडिंग की तेज गति आवश्यक है। (सत्य/असत्य)
8. कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले सब बच्चों को पढ़ाना संभव नहीं है। (सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. डिकोडिंग का क्या अर्थ है ?
10. प्राथमिक कक्षाओं में रोचक पाठ्य सामग्री का अभाव है। स्पष्ट कीजिए।
11. किन **तीन** गतिविधियों में बच्चों का सबसे अधिक समय बीतता है ?
12. ई. जी. आर. शोध, 2012 में कक्षाओं के अवलोकन पर क्या जानकारी दी गई है ?

13. साक्षरता की व्यापक परिभाषा दीजिए।
14. 2014 में यूनिसेफ ने 6 राज्यों का अध्ययन कर क्या निष्कर्ष पाया ?

खण्ड—स

15. अवलोकन के आधार पर कक्षा में इस्तेमाल हो रही मौखिक भाषा पर टिप्पणी लिखिए।
16. सामूहिक दोहराव को समझाइए।
17. पाठ्यक्रम एवं शिक्षण में भाषा संबंधी मान्यताएँ क्या हैं ?
18. बच्चे कक्षा में सक्रिय भागीदारी कर सीखने का प्रयास करें इस हेतु क्या व्यवस्था होनी चाहिए ?

खण्ड—द

19. "पढ़ना सिखाने में अर्थ-निर्माण पर जोर नहीं देना चाहिए।" एक शिक्षक होने के नाते क्या आप इसे उचित मानते हैं ?
20. स्कूल से पहले पढ़ने और लिखने के अनुभवों पर चर्चा कीजिए।
21. कक्षा के बच्चों को पाठ्य-पुस्तक की एक कहानी का पाठ पढ़ाते समय सभी बच्चों की सक्रिय भागीदारी कैसे सुनिश्चित की जाए ? इस पर सुझाव दीजिए।
22. कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में ऐसे कौन-कौन से कारक हैं जो निम्न स्तर की उपलब्धि में योगदान देते हैं ?

खण्ड—इ

23. पिछड़ रहे बच्चों को आवश्यकता के अनुसार शिक्षण और सहायता देना हमारी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत व आवश्यकता बन चुकी है। विश्लेषणात्मक टिप्पणी कीजिए।
24. स्टीरियोटाइप रुढ़िवादिता (Stereotype) को कैसे चुनौती दी जाती है ?

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–463

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–सीखने–सीखाने के कुछ सिद्धांत और रणनीतियां **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. ASK किसे कहा जाता है ?
2. कक्षा में बच्चों के स्कैफोल्डिंग देने का एक प्रभावी तरीका ..... है।
3. 'जोन ऑफ प्रॉक्सिमल डेवलपमेंट' (Zone of Proximal Development) का शब्दशः अर्थ क्या है ?
4. "उनके लिये सीखना बिल्कुल साँस लेने जितना ही स्वाभाविक है।" यह कथन किसका है ?
5. बच्चे के लिये सीखने का सबसे प्रभावी कार्य वह होता है जो उसका सामर्थ्य स्तर ..... होता है।
6. कक्षा में छोटे समूहों में काम कराना लाभकारी नहीं होता है, क्योंकि बच्चे एक-दूसरे से बातों में अपना सारा समय निकाल देते हैं, जिससे उन्हें कुछ सीखने को नहीं मिलता।

   (सत्य/असत्य)
7. ..... ने दर्शाया कि शिक्षण व्यवस्थाओं और शिक्षकों द्वारा आकलन के बाद की 'बाकी की कहानी' छोड़ दी जाती है।
8. सतत् या रचनात्मक आकलन को ..... भी कहते हैं।

खण्ड—ब

9. सीखने के प्रभावी तरीके एवं कम प्रभावी तरीकों को लिखिए।
10. 'जोन ऑफ प्रॉक्सिमल डेवलपमेंट' क्या है ?
11. सतत् आकलन क्या होता है ?
12. 'बंद छोर वाले प्रश्न' से आप क्या समझते हैं ?
13. फीडबैक का क्या महत्व है ?
14. 'बच्चों के अलग-अलग स्तर' से क्या आशय है ?

खण्ड—स

15. सीखना और सीखने की प्रक्रिया को कुछ व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाइए।
16. भाषा अर्जन के विशिष्ट सिद्धान्तों को लिखिए।
17. सोचने के कौशल का शिक्षण में किस प्रकार प्रयोग किया जा सकता है ?
18. सोचने का समय या प्रतीक्षा समय का क्या लाभ है ?

खण्ड—द

19. सीखने पर प्रभाव डालने वाले कारकों को उदाहरण सहित समझाइए।
20. कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण कैसे बनाया जा सकता है ?
21. विस्तारित वार्तालाप (Exploratory Talks) को उसके महत्व के साथ उदाहरण सहित समझाइए।
22. सतत् आकलन के बाद क्या कदम उठाने आवश्यक होते हैं ?

खण्ड—इ

23. बच्चों का पूर्व ज्ञान क्यों महत्वपूर्ण होता है ? इसका शिक्षण में किस प्रकार प्रयोग किया जा सकता है ?
24. स्कैफोल्डिंग (Scaffolding) किस प्रकार सीखने में सहारा देता है ?

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–464

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक कक्षाओं में संतुलित भाषा शिक्षण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. पहचान और ..... की प्रक्रियाएँ साथ-साथ चलती हैं।
2. ध्वनि की लघु इकाइयों का शिक्षण, अभ्यास तथा प्रयोग को हम ..... भी कहते हैं।
3. भाषायी समझ एक ..... क्षमता है।
4. अर्थ निर्माण एक ऐसा कौशल है जो ..... जा सकता है।
5. ओ. ई. एल. पी. के प्रतिदिन के कार्यक्रम में ..... की रूपरेखा का उपयोग किया जाता है।
6. शब्द पहचान के कौशलों के विकास के लिए ..... बेहद जरूरी है।
7. "पढ़ना और लिखना बातों के समंदर पर तैरते हैं।" किसका कथन है ?
8. डिकोडिंग के कितने चरण हैं ?

खण्ड—ब

9. ध्वनि संबंधी जागरूकता से क्या तात्पर्य है ?

10. दृश्य शब्दों की क्या पहचान है ?
11. भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है ?
12. बच्चों को ध्वनि और चिह्न के संबंध को कैसे सिखाना चाहिए ?
13. भाषा शिक्षण के **दो** विपरीत दृष्टिकोण कौन-से हैं ?
14. कुशल पठन हेतु केवल डिकोडिंग व शब्द पहचान काफी नहीं है। स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

15. मॉड्यूल चार के उद्देश्य क्या हैं ?
16. भाषा शिक्षण की वर्तमान स्थिति कैसी है ?
17. बच्चों का प्रिंट से परिचय क्यों आवश्यक है ?
18. लोगोग्राफिक पठन से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण के साथ समझाइए।

खण्ड—द

19. भाषा शिक्षण पद्धति का विस्तृत विवेचन कीजिए।
20. साक्षरता के बारे में OELP की पद्धति किस प्रकार कार्य करती है ?
21. समग्र से अंश और अंश से समग्र तक का शिक्षण किस प्रकार का होना चाहिये ? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।
22. किसी खास दिन की एक भाषा की कक्षा का उदाहरण लिखिए।

खण्ड—इ

23. मीनाजी की कक्षा का पूर्ण विवरण लिखिए।
24. अर्थ आधारित शिक्षण किस प्रकार किया जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–465

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग 1 **प्रश्नपत्रः पंचम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. प्रिंट/लिखित या मुद्रित सामग्री बद्ध कौशल है।(सत्य/असत्य)
2. मुख से सबसे छोटी ध्वनि का लिखित रूप वर्ण है। (सत्य/असत्य)
3. डिकोडिंग सीखने के लिए ध्वनि जागरूकता की आवश्यकता नहीं होती। (सत्य/असत्य)
4. प्रारम्भिक कक्षाओं में बच्चे डिकोडिंग की प्रक्रिया के द्वारा ही शब्द पहचानते हैं। (सत्य/असत्य)
5. ब्रेल लिपि न जानने वालों के लिए अर्थहीन संकेत प्रणाली है। (सत्य/असत्य)
6. बद्ध कौशल को सरल तरीके से जाँचा या मापा जा सकता है। (सत्य/असत्य)
7. मुक्त कौशल आजीवन विकसित होते रहते हैं। (सत्य/असत्य)
8. प्रिंट चेतना के बिना मौखिक व लिखित भाषा को आपस में आसानी से जोड़ा जा सकता है।सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. प्रिंट चेतना क्या है ?

10. डिकोडिंग को परिभाषित कीजिए।

11. मोर्स कोर्ड क्या है ?

12. उभरता हुआ पठन किसे कहते हैं ?

13. आकृति भेद को स्पष्ट कीजिए।

14. वाक्यपट्टी का उपयोग कहाँ हो सकता है ?

खण्ड—स

15. कक्षा में प्रिंट को समृद्ध बनाने के लिए क्या किया जा सकता है ?

16. ध्वनि जागरूकता का आकलन कैसे किया जाए ?

17. डिकोडिंग के मुख्य तत्व कौन-से हैं ?

18. डिकोडिंग का आकलन करना क्यों जरूरी है ?

खण्ड—द

19. लोगोग्राफिक पठन में बच्चों की मदद कैसे करेंगे ?

20. प्रिंट की अवधारणा के अन्तर्गत शामिल तत्वों को विस्तार से समझाइए।

21. ध्वनि जागरूकता का कौशल किस क्रम में सिखाया जाए ?

22. शब्द पढ़ने के अभ्यास के विभिन्न तत्वों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—इ

23. प्रिंट चेतना विकसित करने के लिए विभिन्न रणनीतियों व गतिविधियों की चर्चा कीजिए।

24. वर्ण परिचय के विभिन्न चरणों को समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग 2 **प्रश्नपत्रः षष्ठ्म**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. ई. सी. ई. का पूरा नाम अंग्रेजी में लिखिए।
2. शब्दावली को कितने हिस्सों में बाँटा जाता है ?
3. चित्रों पर कितने तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं ?
4. समझने की क्षमता सबसे पहले मौखिक स्तर पर ही बनती है। (सत्य/असत्य)
5. कक्षा-1 के बच्चों में उच्चस्तरीय चिंतन की क्षमता नहीं होती। (सत्य/असत्य)
6. पढ़ने का मुख्य उद्देश्य है ..... ।
7. ..... ने दिखाया गया कि जब बच्चे कोई कठिन काम करते हैं तो दूसरों से या अपने आप से बात करते हैं।
8. सीखने की सभी प्रक्रियाएँ ..... पर आधारित होती हैं।

खण्ड—ब

9. मौखिक भाषा के जरिये बच्चों को कौन-कौनसी क्षमताएँ हासिल हो सकती हैं ?
10. किसी पाठ को पढ़ने से संबंधित मौखिक गतिविधियाँ क्या हैं ?

11. शब्दावली के प्रकार लिखिए।
12. सुनकर समझना और पढ़कर समझना से आप क्या समझते हैं ?
13. पढ़ने में कौन-कौन सी प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं ?
14. अनायास शब्दावली सीखने के लिये कौन-सी बातें जरूरी हैं ?

खण्ड—स

15. कोई दो बच्चे आपस में जब सामान्य बातचीत करते हैं तो वे क्या-क्या करते हैं ?
16. एक शिक्षक को बच्चों को कहानी कैसे सुनानी चाहिये ?
17. शब्द जानने के विभिन्न स्तर क्या हैं ?
18. पूर्वज्ञान तथा अवधारणात्मक ज्ञान क्या है ?

खण्ड—द

19. भारतीय कक्षाओं में मौखिक भाषा की स्थिति क्या है ?
20. कहानी सुनाते समय पूछने वाले प्रश्नों को उदाहरण सहित समझाइए।
21. निम्नलिखित को समझाइये :
    (अ) शब्दावली का विस्तार
    (ब) शब्दों का स्तर
22. प्रत्यक्ष शब्दावली सिखाने के क्या सिद्धान्त हैं ? समझाइए।

खण्ड—इ

23. मौखिक भाषा का विकास क्यों महत्वपूर्ण है ? उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
24. पढ़कर समझने के स्तर को मुख्यतः कितने स्तरों में बाँटा जाता है ? समस्त स्तरों को विस्तारपूर्वक उदाहरण सहित समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**